जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 246 प्रभात जालोर, गुरुवार 12 दिसम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'सभी एम.ओ.यू. की रिपोर्ट एक साल बाद जनता को पेश करेंगे'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने मंत्रियों, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों व कर्मचारियों का सफल आयोजन के लिए आभार जताया

- **समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा, अगले 3 साल में जी.आई. टैग की संख्या दुगनी की जायेगी। जिससे जी.आई. टैग वाले उत्पाद गाँव से ग्लोबल की ओर बढ़ेंगे।**
- **उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, राजस्थान पहले केवल पर्यटन के लिए जाना जाता था, समिट के बाद प्रदेश उद्योग क्षमताओं के लिए भी जाना जा रहा है।**

जयपुर, 11 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान को नवाचार एवं निवेश का नया केन्द्र बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार राइज़िंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के साथ काम करेगी। अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एम.ओ.यू. के जमीन पर उतरने की कार्यवाही की समीक्षा कर इसे जनता के सामने लाया जाएगा तथा राइज़िंग राजस्थान का आयोजन वर्ष 2026 में फिर से होगा।

शर्मा ने बुधवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि असीम संभावनाओं से भरपूर राजस्थान में उद्यमिता एवं विकास के शिखर को छूने की क्षमता है। राजस्थान नवाचार एवं निवेश आकर्षण के एक नए केन्द्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एम.ओ.यू. किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने कई अहम निर्णय लिए हैं, जिनमें, राज्य में 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के समापन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्ज़िबिटर बूथों का जायजा लिया। उन्होंने ''बिल्डिंग अ सिक्योर नेशन'' बूथ पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया।

ई.वी.एम. से छेड़छाड़ के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाएगा विपक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक सर्वोच्च न्यायालय जाने की योजना बना रहा है। इंडिया ब्लॉक का आरोप है कि हाल ही में हुये महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ई.वी.एम.) में गड़बड़ी हुई है।

मंगलवार शाम को एन.सी.पी. (एस.पी.) प्रमुख शरद पवार तथा आम आदमी पार्टी प्रमुख एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया।

- **दिल्ली विधानसभा चुनावों में ई.वी.एम. से छेड़छाड़ की आशंका के कारण कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने जवाबी उपाय के तहत यह निर्णय किया है।**

विपक्ष, जिसमें पवार की पार्टी एन.सी.पी. (एस.पी.) भी शामिल है, को महाराष्ट्र में भारी नुकसान हुआ है।

दिल्ली विधानसभा के आसन्न चुनावों को ध्यान में रखते हुए, विपक्षी गठबंधन में इस सम्बंध में किसी अग्रिम योजना की जरुरत महसूस की जा रही है।

दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में, अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी का

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अजीबोगरीब खेल चल रहा है इंडिया गठबंधन में

राज्यसभा में एकजुटता, तो लोकसभा में भारी आतंरिक विरोध

- **राज्यसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने पूरी एकजुटता से अविश्वास प्रस्ताव रखा है।**
- **लोकसभा में कांग्रेस पूरी तरह से अलग-थलग है, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस पार्टी की ओर से कांग्रेस का जरा भी सहयोग नहीं किया जा रहा है।**
- **चर्चा है कि इसके पीछे शायद अडानी का हाथ है, जो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन में अलग-थलग कर देने की दिशा में काम कर रहे हैं।**

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। एक विचित्र विरोधाभास है, विपक्षी इंडिया ब्लॉक दो अलग दिशाओं में काम कर रहा है। राज्य सभा में इंडिया ब्लॉक एकजुट है, राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ के विरूद्ध एकजुट है, जिनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है तथा आरोप लगाए गए हैं कि वे सरकार के प्रवक्ता हैं, सरकार के प्रति पक्षपाती है, विपक्ष को बोलने नहीं देते, न ही विपक्ष को अपना मत रखने देते हैं।

धनखड़ सार्वजनिक मंच से विपक्ष के विरूद्ध तथा सरकार के पक्ष में बोलने के लिए जाने जाते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि पहली बार विपक्ष देश के उपराष्ट्रपति के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव रखने को बाध्य हुआ है, जो कि राज्यसभा के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा, ऐसा मौका पहले कभी नहीं आया, क्योंकि कोई भी अन्य पीठासीन अधिकारी उस हद तक नहीं गया, जिस हद तक वे गए हैं।

और इसके ठीक विपरीत, इंडिया ब्लॉक गठबन्धन में भारी मतभेद हैं, समाजवादी पार्टी और तृणमूल जैसे राजनैतिक दल, खासतौर से लोकसभा में, कांग्रेस को सहयोग नहीं दे रहे हैं।

प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्यो हो रहा है? अडानी मुद्दे वजह से एक जवाब उभर रहा है। क्या अडानी विपक्षी इंडिया गठबंधन को तोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। क्या वे कांग्रेस को अलग-थलग कर यह सुनिश्चित कर देना चाहते है कि अधिकांश बड़े दल जो अब तक कांग्रेस के पक्ष में खड़े थे, वे कांग्रेस से अलग हो जाएं।

अडानी पर राहुल गांधी के फोकस तथा उनके नारे ''अडानी और मोदी एक हैं'' के कारण ही, सरकार ने जवाबी प्रहार करते हुये, सोनिया गांधी तथा उनके परिवार पर जॉर्ज सोरॉस के साथ कथित सम्बन्ध का आरोप लगाते हुये, उसे कटघरे में खड़ा कर दिया है। जगदीप धनखड़ ने नड्डा को गांधी परिवार पर ये आरोप लगाने की अनुमति तो दे दी, लेकिन इसके बाद, कांग्रेस और विपक्ष को जवाब देने की अनुमति नहीं दी।

राहुल ने बिड़ला से सदन चलाने का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 11 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और कहा कि वे चाहते हैं कि संसद चले इसलिए सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाई जानी चाहिए। गांधी सदन की कार्यवाही शुरु

(शेष पृष्ठ 3 पर)